भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-560
बुधवार, 26 जून, 2019/5 आषाढ़, 1941 (शक)

बेरोजगार दर के आकलन हेतु कार्य-प्रणाली

560. श्री मोहम्मद अली खानः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अपनी बेरोजगार दर के आकलन की प्रविधि में परिवर्तन किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या नई प्रविधि का लक्ष्य आंकड़ों को और सटीक तरीके से एकत्रित करना है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क एवं ख): राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एनएसएसओ के पूर्व के पंचवार्षिक (प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार) रोजगार एवं बेरोजगारी सर्वेक्षण,की तुलना में सर्वेक्षण कार्य-पद्धति, आंकड़े एकत्रित करने के तंत्र तथा प्रतिदर्श डिजाइन में कुछ परिवर्तनों के साथ 2017-18 के दौरान आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) नामक एक नया नियमित रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण प्रारंभ किया है। पीएलएफएस हेतु अपनाई गई कार्य-पद्धति अनुबंध-। में दी गई है।

(ग): पीएलएफएस को शहरी क्षेत्रों में श्रम बाजार के विभिन्न सांख्यिकी संकेतकों के तिमाही परिवर्तनों को मापने के उद्देश्य के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में विभिन्न श्रम बल संकेतकों के वार्षिक अनुमान को सृजित करने के लिए प्रारंभ किया गया था।

अनुबंध

राज्य सभा के दिनांक 26.06.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 560 के भाग (क एवं ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

1. प्रतिदर्श डिजाइन

क) पीएलएफएस (2017-18) हेतु डिजाइनः नवीनतम उपलब्ध शहरी ढांचा सर्वेक्षण (यूएफएस) ब्लॉक की सूची शहरी क्षेत्रों हेतु प्रतिदर्श ढांचा था। लगभग आधे नगरों हेतु, यूएफएफ ढांचा 2012-17 प्रयोग किया गया तथा अन्य आधे नगरों हेतु यूएफएफ ढांचा 2007-12 प्रयोग किया गया। 2011 जनसंख्या गणना गांव (केरल हेतु पंचायत वार्ड) की सूची ने ग्रामीण प्रतिदर्श ढांचे का गठन किया।

ख) पीएसएफएस हेतु प्रतिदर्श डिजाइनः एक स्तरित बहुचरणीय ढांचा अपनाया गया था। प्रथम चरण यूनिट (एफएसयू) शहरी क्षेत्रों में शहरी ढांचा सर्वेक्षण (यूएफएस) ब्लॉक तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 2011 जनसंख्या गणना ग्राम (केरल में पंचायत वार्ड) थे। अंतिम चरण यूनिट (यूएसयू) परिवार थे। सामान्य एनएसएस दौर के अनुरूप, बड़े एफएसयू के मामले में एक मध्यस्थ चरण की यूनिट जिसे समूह/उप-ब्लॉक हैमलेट कहा जाता था, बनाई गई।

ग) शहरी क्षेत्रों में एक आवर्ती पेनल प्रतिदर्श ढांचा का प्रयोग किया गया है। इस आवर्ती पेनल योजना में, शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक चयनित परिवार के पास चार बार जाया जाता है-प्रथम बार प्रथम भेंट अनुसूची के लिए तथा अन्य तीन बार पुनः भेंट अनुसूची के साथ। ग्रामीण क्षेत्रों हेतु, प्रत्येक तिमाही में, वार्षिक आंबटन का केवल 25% एफएसयू (जैसा कि एनएसएस दौरे के प्रत्येक उप-दौरे में किया जाता है) शामिल किया गया था, ताकि प्रत्येक तिमाही हेतु स्वतंत्र अनुमान सृजित किए जा सकें। ग्रामीण प्रतिदर्शों हेतु कोई पुनः भेंट नहीं थी।

2. स्तरीकरण तथा उप-स्तरीकरण

क) पीएलएफएस में प्रथम चरण यूनिटों हेतु स्तरीकरणः शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या गणना 2011 के अनुसार नगरों की आकार श्रेणी के आधार पर प्रत्येक एनएसएस क्षेत्र के भीतर स्तर निर्मित किए गए थे।

स्तर 1:	**50,000** से कम जनसंख्या वाले सभी शहर
स्तर 2:	**50,000** से अधिक परंतु **3** लाख से कम जनसंख्या वाले सभी शहर
स्तर 3:	3 लाख अथवा उससे अधिक परंतु 15 लाख से कम जनसंख्या वाले सभी शहर
स्तरः 6 ,5 ,4,... :	15 लाख अथवा उससे अधिक जनसंख्या वाले प्रत्येक नगर

प्रत्येक एनएसएस क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों ने ग्रामीण स्तर का गठन किया।

ख) पीएलएफएस में उप-स्तरीकरणः

i) शहरीः शहरी क्षेत्रों में कोई उप-स्तरीकरण नहीं था।

ii) ग्रामीणः प्रत्येक ग्रामीण स्तर में 'आर/8' उप-स्तर गठित किया गया था, जिसमें 'आर एक' ग्रामीण स्तर हेतु आबंटित वार्षिक प्रतिदर्श का आकार था। ढांचे के अनुरूप स्तर के भीतर ग्रामों को पहले जनसंख्या के बढ़ते हुए क्रम के अनुसार संचालित किया गया। फिर उप-स्तर 1 से 'आर/8' को इस प्रकार से निर्धारित किया गया कि प्रत्येक उप-स्तर में क्रमबद्ध ढांचे के ग्रामों का एक समूह शामिल था तथा कमोबेश समान जनसंख्या थी।

3. प्रतिदर्श आकार एवं प्रतिदर्श चयन

क) पीएलएफएस हेतु प्रतिदर्श आकारःजुलाई 2017-जून, 2018 के दौरान अखिल भारत स्तर पर सर्वेक्षण हेतु 12,800 एफएसयू (7,024 ग्राम एवं 5,776 यूएफएस ब्लॉक) आबंटित किए गए थे।

ख) पीएलएफएस में प्रथम चरण की यूनिटों का चयनः शहरी एफएसयू का चयन प्रतिस्थापन (पीपीएसडब्ल्यूआर) योजना के आकार की तुलना में संभाव्यता अनुपात के आधार पर किया गया, जिसमें आकार यूएफएस ब्लॉक में परिवारों की संख्या थी। प्रत्येक स्तर के भीतर पेनल हेतु प्रतिदर्श दो स्वतंत्र उप-प्रतिदर्श के रूप में बनाया गया। आवर्ती योजना के कार्यान्वयन के लिए, समान आकार के प्रतिदर्श एफएसयू के 4 समूह (प्रत्येक आकार 2 का गुणक, उप-प्रतिदर्श 1 तथा उप-प्रतिदर्श 2 के प्रत्येक हेतु आधा) यों ही लिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में, स्तर/उप-स्तर हेतु प्रतिदर्श प्रतिस्थापन (पीपीएसडब्ल्यूआर) योजना के आकार के संभाव्यता अनुपात के साथ दो स्वतंत्र उप-प्रतिदर्श के रूप में लिए गए, जिसमें आकार ग्राम की जनसंख्या है।

ग) पीएलएफएस में द्वितीय चरण के स्तर का निर्माणः

एसएसएस की संरचना (ग्रामीण)	एसएसएस	सदस्यों की संख्या	सर्वेक्षण किए जाने वाले परिवारों की संख्या	
			बगैर हेमलेट समूह (एचजी) संरचना के एफएसयू	एफएसयू एचजी संरचना के साथ (प्रत्येक एचजी हेतु)
सामान्य शिक्षा जैसे सेकेण्डरी (10वीं कक्षा) अथवा अधिक स्तर वाले परिवार में सदस्यों की संख्या	एसएसएस 1	2 अथवा अधिक	2	1
	एसएसएस 2	1	4	2
	एसएसएस 3	0	2	1
योग			**8**	
एसएसएस की संरचना (शहरी)	एसएसएस	सदस्यों की संख्या	सर्वेक्षण किए जाने वाले परिवारों की संख्या	
			उप-ब्लॉक (एसबी) संरचना के बगैर एफएसयू	एफएसयू एसबी संरचना के साथ (प्रत्येक एसबी हेतु)
सामान्य शिक्षा जैसे सेकेण्डरी (10वीं कक्षा) अथवा अधिक स्तर वाले परिवार में सदस्यों की संख्या	एसएसएस 1	3 अथवा अधिक	2	1
	एसएसएस 2	2	2	1
	एसएसएस 3	1	2	1
	एसएसएस 4	0	2	1
योग			**8**	